## माँग की आपूर्ति

**व्यष्टि अर्थशास्त्र :**

- जब अर्थव्यवस्था में आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन निचले स्तर पर किया जाता है तो उसे MIcro Econonmics कहा जाता है,इसे कीमत सिद्धांत कहते है

## समष्टि अर्थशास्त्र :

- जब अर्थशास्त्र में समग्र रूप से/ व्यापक स्तर पर आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है तो उसे (Macro Economy) कहते है इसे आय रोजगार का सिद्धांत भी कहते है
- First नामक अर्थशास्त्र था जिसने Micro एवं Macro Economices की वर्गीकरण किया है |

## सकारात्मक अर्थव्यवस्था :

- इसे विज्ञान जैसी अर्थव्यवस्था भी कहते है,इसमें वस्तुओं का अध्ययन उसी रूप में किया जाता है जिस रूप में वास्तव में वे है |

## आदर्शत्मक अर्थव्यवस्था :

- इसमें वस्तुओं का अध्ययन न सिर्फ उस रूप में किया जाता है जिसमें वे है बल्कि उन्हें कैसा होना चाहिए,यह भी बताया जाता है |

## उत्पादन संभावना :

- किसी भी अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या- 'क्या,कैसे,कितना,चुनने की समस्या' है
- उत्पादन संभावना दो वस्तुओं का एक ऐसा समूह होता है जिसे कोई भी कम्पनी अपने उपलब्ध संसाधन का अधिकतम उपयोग करते हुए उत्पादन कर सकती है |

## अवसर लागत :

- किसी अर्थव्यवस्था की अवसर लागत वो लागत है जो अगले सर्वोत्तम विकल्प की छोड़ने के कारण त्यागी गई हो |

## वस्तुओं के प्रकार :

- सामान्य वस्तुएं : ऐसी वस्तुएं जिनकी माँग,आय बढने के साथ बढती है उदहरण - कोल्ड ड्रिंक
- घटिया वस्तुएं : ऐसी वस्तुएं जिनकी माँग,आय बढने के साथ कम होती है उदाहरण - डालडा,घी,बीडी |
- प्रतिस्थापत्र वस्तुएं : ऐसी वस्तुओं का समूह जिन्हें एक-दुसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है जैसे-चाय या कॉफ़ी
- पूरक वस्तुएं : ऐसी वस्तुएं जिन्हें हमेशा एक साथ ही प्रयोग में लाया जा सकता है,उन्हें अलग-अलग प्रयोग नही किया जा सकता है |

## माँग:

- माँग किसी वस्तु की वो मात्रा है जिसे कोई उपभोक्ता किसी निश्चित समय पर अन्य बाते समान रहने पर एक निश्चित कीमत पर खरीदने को तैयार रहता है |

## माँग का नियम :

- जब किसी वस्तु की कीमत बढती है तो अन्य बात समान रहने पर उसकी माँग घटती है |

  **नोट:** 'अन्य बाते समान रहने पर' का अर्थ व्यक्ति की रूचि.आय आदि में परिवर्तन न होता है |

## माँग को प्रभावित करने वाले कारक :

- **उपभोक्ता की आय :** जब उप्भिकता की आय बढती है तो उसकी माँग भी बढती है |

  नोट:घटिया वस्तुओं के लिए यह नियम लागू नही होता है
- **वस्तु की कीमत** : जब वस्तु की कीमत बढती है तो उसकी माँग घटती है |

  नोट: प्रतिष्ठासूचक वस्तुओं (जेवर,गाड़िया) पर यह नियम लागू नही होता है |
- **मौसम और फैशन :** मौसम और फैशन भी माख्ग को प्रभावित करते है ऑफ़ सीजन में और आउट ऑफ़ फैशन वस्तुओं की माँग कम होती है |
- **वैकल्पिक वस्तु की कीमत :** जब किसी प्रतिस्थापन वस्तुओं में से किसी एक की कीमत बढने से उसकी माँग कम हो जाती है परन्तु उसी समय वैकल्पिक वस्तु की माँग बढ़ जाती है
- **पूरक वस्तुएं** : पूरक वस्तुएं में से किसी एक वास्तु की कीमत माँग बढने से दुसरे की माँग घट जाती है |

## आपूर्ति :

- पूर्ति किसी भी वस्तु की वो मात्रा है जिसे कोई उत्पादन किसी निश्चित समय पर और किसी निश्चित कीमत पर अन्य चीजों के नियम रहने पर आपूर्ति करने को तैयार रहता है |

## आपूर्ति का नियम :

- जब किसी वस्तु की कीमत बढती है तो उसकी पूर्ति भी बढ़ जाती है(अन्य बाते समान रहने पर )

## आपूर्ति को प्रभावित करने वाले कारक :

- **वस्तु की कीमत**
- **तकनीक में परिवर्तन** - तकनीक को परिवर्तित करके यदि अच्छी तकनीक अपनायी जाए तो किसी भी वस्तु की पूर्ति बढती है |
- **लागत :** उत्पादन में काम आने वाली वस्तुओं की कीमत बढने से उसकी पूर्ति घट जाती है और Inputs की कीमत घटने से पूर्ति जाती है |
- **करों की दर में परिवर्तन** - जब करों की दर कम होती है तो उत्पादक आपूर्ति बढ़ा देता है और जब सरकार करों की दर बढ़ा देती है तो उत्पादक आपूर्ति कम कर देता है |
- **भविष्य की कीमतों कापूर्वानुमान-** जब उत्पादक को यह आशा हो की भविष्य में कीमत बढ़ेगी तो भविष्य में ज्यादा लाभ कमाने की आशा से वो आपूर्ति को कम कर सकता है |
- **उत्पादन के कारक :**
- भूमि,श्रम और पूँजी को उत्पादन को कारक कहा जाता है |
- **उत्पादन की सबसे बड़ी समस्या :**
- उपरोक्त तीनों संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग कर पाना ही उत्पादन की सबसे बड़ी समस्या है | वर्तमान में तकनीक की भूमिका भी बढ़ गई है | वस्तु के उत्पादन में यह महत्वपूर्ण होता जा रही है |

## अल्पकालिक व दीर्घकालिक

- Short Period उस समय सीमा को कहा जाता है जिसमें कोई,भी फर्म अपने कुछ कारकों को परिवर्तन नहीं कर सकती है जैसे भूमि,मशीन
- लेकिन अन्य परिवर्तनशील कारकों में परिवर्तन कर सकती है | जैसे- पूँजी,श्रम आदि |
- Long Period उस समय को कहा जाता है जिसमें कोई भी फर्म अपने सभी कारकों में परिवर्तन कर सकती है और इससे उसकी क्षमता बढ़ जाती है |

Empowering Nation
HARYANA JOB ALERT